दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 09-06-2025

संविदा कर्मचारियों की कार्य अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव भारी उद्योग मंत्रालय को भेजा

सीएमडी अधिकारियों से मिल रहे, संविदा कर्मचारियों को मिलेगी राहत

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

नेपा लिमिटेड प्रबंधन ने संविदा कर्मचारियों की कार्य की अवधि बढ़ाने का एक प्रस्ताव भारी उद्योग मंत्रालय को भेजा है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलते ही विभागीय स्वीकृति के बाद कर्मचारियों की कार्य अवधि बढ़ाई जाएगी। नेपा लिमिटेड के सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं। वे संचालन के लिए आवश्यक फंड के लिए प्रयासरत हैं। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने भी नेपा मिल के लिए विशेष वित्तीय सहायता की मांग की है। नेपा लिमिटेड भारतीय उप महाद्वीप की पहली औद्योगिक इकाई है। यह बुरहानपुर जिले के आदिवासी अंचल नेपानगर में स्थित है। इसने दशकों तक अखबारी कागज के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाया। इससे विदेशी मुद्रा की बचत हुई। मिल वर्तमान में आर्थिक चुनौतियों का

सामना कर रही है। पीआरओ संदीप ठाकरे ने बताया फिर भी कर्मचारियों और क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। यहां देशभर से एकत्र रद्दी कागज को रि-साइकिल कर नया पेपर बनाया जाता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को भी मजबूती मिलती है।

पत्रिका

- भारी उद्योग मंत्रालय के अनुमोदन के लिए भेजा

संविदा कर्मचारियों की कार्य अवधि बढ़ाने का नेपा लिमिटेड प्रबंधन ने दिया प्रस्ताव

नेपानगर @ पत्रिका. नेपा लिमिटेड प्रबंधन द्वारा संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने के लिए एक सकारात्मक पहल की गई है। संस्थान के उच्च प्रबंधन की ओर से सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए प्रस्ताव को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है। जैसे ही प्रस्ताव को अनुमोदन प्राप्त होता है विभागीय स्वीकृति के आधार पर अविलंब संविदा कर्मचारियों की कार्यअवधि बढ़ा दी जाएगी।

मिल के जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने कहा यह अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि वर्तमान में नेपा लिमिटेड एक आर्थिक चुनौती के दौर से गुजर रहा है, किंतु फिर भी संस्थान की मूल प्रतिबद्धता अपने कर्मचारियों, क्षेत्रीय विकास के प्रति अटल है। वर्तमान सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा विशिष्ट सेवा मेडल के नेतृत्व में संस्थान सतत रूप से मंत्रालय स्तर पर संवाद, प्रयासरत है। वे पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं

और संचालन के लिए आवश्यक फंड प्राप्ति हेतु हर संभव प्रयास कर रहे हैं। नेपा के भविष्य के प्रति आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार देश में समग्र विकास की गति तेज़ हुई है, उसी ऊर्जा और दिशा में नेपा लिमिटेड भी विकास पथ पर अग्रसर होगा।

विशेष वित्त की मांग

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल का इसमें विशेष सहयोग रहा है। उनके द्वारा नेपा लिमिटेड के संचालन के लिए विशेष वित्तीय सहायता की मांग रखी गई है जिससे संस्थान की उत्पादन प्रक्रिया को गति दी जा सके। गौरतलब है कि बुरहानपुर जिले के आदिवासी अंचल नेपानगर में स्थित नेपा लिमिटेड भारतीय उपमहाद्वीप की प्रतिष्ठित और पहली औद्योगिक इकाई है जिसने दशकों तक अखबारी कागज के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्रदान करते हुए विदेशी मुद्रा की भारी बचत कराई है। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान, सामाजिक, सांस्कृतिक उत्तरदायित्वों में भी नेपा का योगदान सदैव उल्लेखनीय रहा है। यहां पर रीसायकल प्रक्रिया के माध्यम से देशभर से संग्रहित अनुपयोगी रद्दी कागज को पुनः उपयोगी पेपर में परिवर्तित कर पर्यावरण संरक्षण के साथ.साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था एवं रोजगार को भी सशक्त किया जाता रहा है।

वेतन 6 माह से बकाया

प्रबंधन का कहना है कि वर्तमान में किसी भी कर्मचारी को काम से बाहर नहीं किया गया है न ही निकाला जा रह है। वेतन भी छह माह का ही बकाया है, लेकिन इसमें भी कुछ राशि देकर कर्मचारियों को सहयोग किया जा रहा है ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न आए।

09/06/2025 | burahanpur | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

स्वदेश

खंडवा - मुख्य संस्करण

Date 9 Jun 2025

नेपा लिमिटेड को मिलेगी नई ऊर्जा

मंत्रालय को संविदा कर्मियों की कार्यावधि बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा

स्वदेश समाचार ■ नेपानगर

देश की पहली अखबारी कागज निर्माण इकाई नेपा लिमिटेड से एक बार फिर सकारात्मक संकेत मिले हैं। आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे संस्थान ने संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय को अनुमोदन हेतु भेज दिया है।

नेपा प्रबंधन ने सभी औपचारिकताओं को पूर्ण कर प्रस्ताव मंत्रालय को प्रेषित कर दिया है। जैसे ही मंत्रालय की मंजूरी मिलती है, तत्काल प्रभाव से संविदा कर्मचारियों की सेवाएं बढ़ा दी जाएंगी। इससे संस्थान की कार्य क्षमता बनी रहेगी और स्थानीय रोजगार प्रभावित नहीं होगा।

दिल्ली में डटे हैं सीएमडी वढेरा

संस्थान के सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा (विशिष्ट सेवा मेडल) इन दिनों दिल्ली में डेरा

डाले हुए हैं। वे मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से निरंतर संपर्क में हैं और संस्थान के संचालन हेतु फंड की मांग कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि नेपा प्रबंधन केवल आश्वासन नहीं, बल्कि एक्शन मोड में है।

सांसद ने वित्तीय सहायता की मांग रखी

खंडवा लोकसभा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने भी नेपा लिमिटेड को पटरी पर लाने के लिए केंद्रीय मंत्रालय से विशेष वित्तीय सहयोग की मांग की है। उन्होंने कहा कि नेपा सिर्फ उद्योग नहीं, बुरहानपुर के हजारों परिवारों की रोजी-रोटी और सम्मान का स्रोत है।

नेपा का अतीत स्वर्णिम भविष्य उज्जवल

नेपा लिमिटेड भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे पुरानी अखबारी कागज निर्माण इकाई है जिसने दशकों तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई। रीसायकलिंग तकनीक, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, और स्थानीय रोजगार सृजन में इसकी भूमिका हमेशा से सराहनीय रही है।

केन्द्र से हरी झंडी मिलने के बाद नेपा के संविदा कर्मचारियों की बढ़ेगी कार्यावधि

● नेपानगर / राज न्यूज नेटवर्क

नेपा लिमिटेड प्रबंधन द्वारा संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने हेतु एक सकारात्मक पहल की गई है। संस्थान के उच्च प्रबंधन की ओर से सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए प्रस्ताव को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के अनुमोदन हेतु अग्रेषित कर दिया गया है। जैसे ही प्रस्ताव को अनुमोदन प्राप्त होता है, विभागीय स्वीकृति के आधार पर अविलंब संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ा दी जाएगी। वर्तमान में नेपा लिमिटेड एक आर्थिक चुनौती के दौर से गुजर रहा है, किंतु फिर भी संस्थान की मूल प्रतिबद्धता अपने कर्मचारियों एवं क्षेत्रीय विकास के प्रति अटल है। वर्तमान सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा के नेतृत्व में संस्थान सतत् रूप से मंत्रालय स्तर पर संवाद एवं प्रयासरत है। वे पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और संचालन हेतु आवश्यक फंड प्राप्ति हेतु हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल का इसमें सहयोग रहा है। उनके द्वारा नेपा लिमिटेड के संचालन हेतु विशेष वित्तीय सहायता की मांग रखी गई हैं, जिससे संस्थान की उत्पादन प्रक्रिया को गति दी जा सके। गौरतलब हैं कि, बुरहानपुर जिले के आदिवासी अंचल नेपानगर में स्थित नेपा लिमिटेड भारतीय उपमहाद्वीप की प्रतिष्ठित और पहली औद्योगिक इकाई है, जिसने दशकों तक अखबारी कागज के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्रदान करते हुए विदेशी मुद्रा की भारी बचत कराई है। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान एवं सामाजिक-सांस्कृतिक उत्तरदायित्वों में भी नेपा का योगदान सदैव उल्लेखनीय रहा है।

यहां पर रीसायकल प्रक्रिया के माध्यम से देशभर से संग्रहित अनुपयोगी रद्दी कागज को पुनः उपयोगी पेपर में परिवर्तित कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था एवं रोजगार को भी सशक्त किया जाता रहा है। नेपा लिमिटेड का यह समर्पणन केवल इसकी औद्योगिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों जब नेतृत्व सशक्त हो, सोच सकारात्मक हो और इरादे अडिग हों, तो कोई भी संस्था पुनः स्वर्णिम युग की ओर बढ़ सकती है।

नेपा लिमिटेड प्रबंधन ने उद्योग मंत्रालय को भेजा संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने का प्रस्ताव

चौथा संसार नेपानगर

बुरहानपुर, (निप्र)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर में स्थित नेपा लिमिटेड प्रबंधन द्वारा संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने हेतु एक सकारात्मक पहल की गई है। संस्थान के उच्च प्रबंधन की ओर से सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए प्रस्ताव को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के अनुमोदन हेतु अग्रेषित कर दिया गया है। जैसे ही प्रस्ताव को अनुमोदन प्राप्त होता है, विभागीय स्वीकृति के आधार पर अविलंब संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ा दी जाएगी।

यह अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि वर्तमान में नेपा लिमिटेड एक आर्थिक चुनौती के दौर से गुजर रहा है, किंतु फिर भी संस्थान की मूल प्रतिबद्धता अपने कर्मचारियों एवं क्षेत्रीय विकास के प्रति अटल है। वर्तमान सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा (विशिष्ट सेवा मेडल) के नेतृत्व में संस्थान सतत रूप से मंत्रालय स्तर पर संवाद एवं प्रयासरत है। वे पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और संचालन हेतु आवश्यक फंड प्राप्ति हेतु हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

नेपा के भविष्य के प्रति आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार देश में समग्र विकास की गति तेज हुई है, उसी ऊर्जा और दिशा में नेपा लिमिटेड भी विकास पथ पर अग्रसर होगा।

खंडवा लोकसभा क्षेत्र के सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल का इसमें विशेष सहयोग रहा है। उनके द्वारा नेपा लिमिटेड के संचालन हेतु विशेष वित्तीय सहायता की मांग रखी गई हैं, जिससे संस्थान की उत्पादन प्रक्रिया को गति दी जा सके।

गौरतलब हैं कि, बुरहानपुर जिले के आदिवासी अंचल नेपानगर में स्थित नेपा लिमिटेड भारतीय उपमहाद्वीप की प्रतिष्ठित और पहली औद्योगिक इकाई है, जिसने दशकों तक अखबारी कागज के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्रदान करते हुए विदेशी मुद्रा की भारी बचत कराई है। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान, एवं सामाजिक-सांस्कृतिक उत्तरदायित्वों में भी नेपा का योगदान सदैव उल्लेखनीय रहा है। यहां पर रीसायकल प्रक्रिया के माध्यम से देशभर से संग्रहित अनुपयोगी रद्दी कागज को पुनः उपयोगी पेपर में परिवर्तित कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था एवं रोजगार को भी सशक्त किया जाता रहा है।

नेपा लिमिटेड का यह समर्पण, न केवल इसकी औद्योगिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों झ जब नेतृत्व सशक्त हो, सोच सकारात्मक हो और इरादे अडिग हों, तो कोई भी संस्था पुनः स्वर्णिम युग की ओर बढ़ सकती है।

क्राइम दर्पण समाचार पत्र

सोमवार 9 जून 2025

मो, हुसैन खोखर

नेपा लिमिटेड प्रबंधन द्वारा संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने हेतु एक सकारात्मक पहल*

बुरहानपुर :- नेपा लिमिटेड प्रबंधन द्वारा संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने हेतु एक सकारात्मक पहल की गई है। संस्थान के उच्च प्रबंधन की ओर से सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए प्रस्ताव को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के अनुमोदन हेतु अग्रेषित कर दिया गया है। जैसे ही प्रस्ताव को अनुमोदन प्राप्त होता है, विभागीय स्वीकृति के आधार पर अविलंब संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ा दी जाएगी।

यह अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि वर्तमान में नेपा लिमिटेड एक आर्थिक चुनौती के दौर से गुजर रहा है

किंतु फिर भी संस्थान की मूल प्रतिबद्धता अपने कर्मचारियों एवं क्षेत्रीय विकास के प्रति अटल है। वर्तमान सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा (विशिष्ट सेवा मेडल) के नेतृत्व में संस्थान सतत् रूप से मंत्रालय स्तर पर संवाद एवं प्रयासरत है। वे पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और संचालन हेतु आवश्यक फंड प्राप्ति हेतु हर संभव प्रयास कर रहे हैं। नेपा के भविष्य के प्रति आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार देश में समग्र विकास की गति तेज़ हुई है, उसी ऊर्जा और दिशा में नेपा लिमिटेड भी विकास पथ पर अग्रसर होगा।खंडवा लोकसभा क्षेत्र के सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल का इसमें विशेष सहयोग रहा है। उनके द्वारा नेपा लिमिटेड के संचालन हेतु विशेष वित्तीय सहायता की मांग रखी गई हैं, जिससे संस्थान की उत्पादन प्रक्रिया को गति दी जा सके। गौरतलब हैं कि, बुरहानपुर जिले के आदिवासी अंचल नेपानगर में स्थित नेपा लिमिटेड भारतीय उपमहाद्वीप की प्रतिष्ठित और पहली औद्योगिक इकाई है, जिसने दशकों तक अखबारी कागज के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्रदान करते हुए विदेशी मुद्रा की भारी बचत कराई है। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान, एवं सामाजिक-सांस्कृतिक उत्तरदायित्वों में भी नेपा का योगदान सदैव उल्लेखनीय रहा है। यहां पर रीसायकल प्रक्रिया के माध्यम से देशभर से संग्रहित अनुपयोगी रद्दी कागज को पुनः उपयोगी पेपर में परिवर्तित कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था एवं रोजगार को भी सशक्त किया जाता रहा है। नेपा लिमिटेड का यह समर्पण, न केवल इसकी औद्योगिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों – जब नेतृत्व सशक्त हो, सोच सकारात्मक हो और इरादे अडिग हों, तो कोई भी संस्था पुनः स्वर्णिम युग की ओर बढ़ सकती है।

नईदुनिया संजय चौहान 9406689018

संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने के लिए केंद्र को भेजा प्रस्ताव

नईदुनिया न्यूज, नेपानगर : नेपा लिमिटेड प्रबंधन ने संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने के लिए केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रस्ताव के अनुमोदित होने और विभागीय स्वीकृति के आधार पर अविलंब संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ा दी जाएगी। गौरतलब है कि नेपा लिमिटेड के कर्मचारियों को तेरह माह से वेतन का भुगतान नहीं किया जा सका है, जिसके चलते संविदा कर्मचारियों को हटाने की स्थिति बन गई थी। मिल के सीएमडी अरविंद वढेरा के नेतृत्व में मंत्रालय स्तर पर संवाद किया जा रहा है। वे एक सप्ताह से दिल्ली में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और मिल संचालन के लिए आवश्यक राशि प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

विशेष वित्तीय सहायता की मांग रखी है

अधिकारियों ने बताया कि सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल का विशेष सहयोग मिल रहा है। उनके द्वारा नेपा लिमिटेड के संचालन के लिए विशेष वित्तीय सहायता की मांग रखी गई है; जिससे संस्थान की उत्पादन प्रक्रिया को गति दी जा सके। मिल रिसाइकिल प्रक्रिया के माध्यम से देशभर से संग्रहित अनुपयोगी रद्दी कागज को पुनः उपयोगी पेपर में परिवर्तित कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दे रहा है।

नेपा लिमिटेड प्रबंधन द्वारा संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने का प्रस्ताव भारी उद्योग मंत्रालय के अनुमोदन हेतु प्रेषित

रिपोर्ट - नरेश चौकसे

नेपा लिमिटेड प्रबंधन द्वारा संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ाने हेतु एक सकारात्मक पहल की गई है। संस्थान के उच्च प्रबंधन की ओर से सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए प्रस्ताव को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के अनुमोदन हेतु अग्रेषित कर दिया गया है। जैसे ही प्रस्ताव को अनुमोदन प्राप्त होता है, विभागीय स्वीकृति के आधार पर अविलंब संविदा कर्मचारियों की कार्यावधि बढ़ा दी जाएगी।यह अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि वर्तमान में नेपा लिमिटेड एक आर्थिक चुनौती के दौर से गुजर रहा है, किंतु फिर भी संस्थान की मूल प्रतिबद्धता अपने कर्मचारियों एवं क्षेत्रीय विकास के प्रति अटल है। वर्तमान सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा (विशिष्ट सेवा मेडल) के नेतृत्व में संस्थान सतत् रूप से मंत्रालय स्तर पर संवाद एवं प्रयासरत है। वे पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और संचालन हेतु आवश्यक फंड प्राप्ति हेतु हर संभव प्रयास कर रहे हैं। नेपा के भविष्य के प्रति आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार देश में समग्र विकास की गति तेज़ हुई है, उसी ऊर्जा और दिशा में नेपा लिमिटेड भी विकास पथ पर अग्रसर होगा। खंडवा लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल का इसमें विशेष सहयोग रहा है। उनके द्वारा नेपा लिमिटेड के संचालन हेतु विशेष वित्तीय सहायता की मांग रखी गई हैं, जिससे संस्थान की उत्पादन प्रक्रिया को गति दी जा सके। गौरतलब हैं कि, बुरहानपुर जिले के आदिवासी अंचल नेपानगर में स्थित नेपा लिमिटेड भारतीय उपमहाद्वीप की प्रतिष्ठित और पहली औद्योगिक इकाई है, जिसने दशकों तक अखबारी कागज के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्रदान करते हुए विदेशी मुद्रा की भारी बचत कराई है। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान, एवं सामाजिक-सांस्कृतिक उत्तरदायित्वों में भी नेपा का योगदान सदैव उल्लेखनीय रहा है। यहां पर रीसायकल प्रक्रिया के माध्यम से देशभर से संग्रहित अनुपयोगी रद्दी कागज को पुनः उपयोगी पेपर में परिवर्तित कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था एवं रोजगार को भी सशक्त किया जाता रहा है। नेपा लिमिटेड का यह समर्पण, न केवल इसकी औद्योगिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों ड्ड जब नेतृत्व सशक्त हो, सोच सकारात्मक हो और इरादे अडिग हों, तो कोई भी संस्था पुनः स्वर्णिम युग की ओर बढ़ सकती है।